आत्मनिर्भर भारत, रोजगार और भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव

RAKESH KUMAR SOLANKI
GOVT.JNS PG COLLEGE, SHUJALPUR(MP)
9926880909
rakeshkumarsolanki61@gmai. Com

विपरीत परिस्थितियों से उभर कर, आगे आएगा भारत।
आत्मनिर्भरता से,अपनी पहचान बनाएगा भारत।।

सार-संक्षेप - आत्म निर्भर भारत, एक ऐसा भारत जो हर क्षेत्र में अपनी खुद की क्षमता व योग्यता रखता हो। जिसे किसी भी अन्य देश पर पूर्णता: निर्भर न रहना पड़े ।इसीलिए सरकार ने 20 लाख करोड़ का पैकेज जारी किया है ताकि कुटीर उधोग,लघु उधोग और स्टार्टअप्स को मजबूती मिले,ज्यादा से ज्यादा रोजगार सृजित हो तथा भारतीय अर्थव्यवस्था भी मजबूत हो।इसके साथ ही साथ लोगों में **VOCAL FOR LOCAL, MAKE IN INDIA**,स्वदेशी अपनाना और चीनी प्रोडक्ट का बहिष्कार आदि अभियान भी भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मजबूती प्रदान कर रहे हैं लेकिन अब सरकार से लेकर साधारण जनता तक को **"मेक इन इंडिया"** को दुनिया का सबसे पसंदीदा और खरीदा जाने वाला ब्रांड बनाना होगा। इस पेपर का मुख्य उद्देश्य आत्मनिर्भर भारत के प्रति विश्वास जगाना,रोजगार सृजन के उपाय और भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने हेतु विचार प्रस्तुत करना है।

Keywords-vocal for local, make in India, economy, brand

परिचय-आपदा को अवसर में बदलने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 12 मई 2020 को आत्मनिर्भर भारत अभियान की शुरुआत की।इसके अंतर्गत 20 लाख करोड़ ,जो कि भारत की जीडीपी का 10% है,का राहत पैकज जारी किया है। जिसका उद्देश्य संपन्न और समृद्ध भारत से है।जब हम आत्मनिर्भर होंगे तो बेरोजगारी का समाधान खुद–ब–खुद हो जाएगा।आज के समय में भारतीयों को चाहे वह वैज्ञानिक, राजनीतिज्ञ, व्यापारी, किसान, विद्यार्थी, अधिकारी, कर्मचारी या कोई भी हो,उसे आत्मनिर्भर होने के लिए सबसे पहले तो

 Copyright @ 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-7 No. 14 July 2020

खुद को प्रयास करना होगा।जिसका सबसे अच्छा उदाहरण **उत्तर प्रदेश (U°P°) के मेरठ के ततवाली गांव की महिला स्व- सहायता समूह** का है, जिन्होंने भारत को मास्क में आत्मनिर्भर बनाकर, चीन के बाद दुनिया के दूसरे नंबर के सबसे ज्यादा मास्क बनाने वाले देश के रूप में उभारा है। आज भारत में लगभग 600 कंपनियां प्रतिदिन 4.5 लाख PPE kit और 3 लाख मास्क और वेंटिलेटर का निर्माण कर रही है, जो पहले हमें आयात करने पड़ते थे।आज हम उसमे आत्मनिर्भर है। जिससे भारत को करोड़ों रुपये का फायदा और रोजगार भी सृजित हुए।

इसी प्रकार छत्तीसगढ़ की महिलाओं ने महुआ, जिससे एल्कोहल बनता है,का उपयोग सैनिटाइजर निर्माण में करके रोजगार सृजित किए और आत्मनिर्भर होने का सबसे अच्छा उदाहरण प्रस्तुत किया ।

बेरोजगारी एक समस्या है जिस की दर 7.78% है और 25% लोग बीपीएल के अंतर्गत आते हैं। आज हमारे पास लगभग 100 करोड. लोग 16 वर्ष की उम्र से ऊपर के हैं जो की हमारी आबादी का 65% है और भारत खरीददारी शक्ति(purchasing power) के आधार पर अमेरिका और चाइना के बाद दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी है। हमारे देश के 48.9% रोजगार कृषि आधारित है। इन आंकड़ों को देखने के बाद आज की परिस्थिति में आत्मनिर्भर भारत अभियानकी सख्त जरूरत है, जब तक हम self-reliant नहीं होंगे तब तक रोजगार सृजन और मजबूत अर्थव्यवस्था की कल्पना भी खुद से बेईमानी होगी है।

आत्मनिर्भरभारत,रोजगार,चुनोतियाँऔरसमाधान–आत्मनिर्भरता, आत्मबल और आत्मविश्वास से आती हैं जिसे पूरी संकल्प शक्ति के साथ कार्य करने से प्राप्त की जा सकती है। 1947 में भारत तथा 1949 में चीन आजाद हुआ था। 1970 तक दोनों की GDP समान थी, उसके बाद चीन ने उसकी आर्थिक नीतियों में तेजी से सुधार किया और आज चाइना हर क्षेत्र में export करता है। चाइना ने productive workers तैयार किये, ताकि तेजी से production बड़े और सस्ते से सस्ते प्रॉडक्ट का निर्माण हो। इसके लिए वहां लोगों को vocational training और internship करवाई जाती है ताकि बेरोजगारी ना बढ़े, जबकि हमारा educational system उतना practical और training based नहीं है। हमें degree के बजाय skilled students तैयार करने होंगे, Quality Education देनी होगी, जो देश में बेरोजगारी के बजाय रोजगार उपलब्ध करने और इकोनॉमी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। हमें हमारे युवाओं को encourage करना होगा,startups

Copyright @ 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-7 No. 14 July 2020

को बढ़ाना होगा,लाइसेंस की प्रक्रिया सरल करना होगी ताकि युवा पीढ़ी विदेश में जॉब या बिजनेस करने के बजाए भारत मे रुके और भारत को फायदा पहुंचाए। Brain drain को रोकना होगा, तथा लोगों में vocal for local का concept विकसित करना पड़ेगा, क्योंकि मोदी जी के अनुसार local product ही एक दिन ब्रांड बन जाता है इसलिए हमें भी इंडियन प्रोडक्ट्स को महत्व देना होगा ताकि हम आयात कम करें और हम हमारे विश्वप्रसिद्ध Brand तैयार करे, जिससे रोजगार के अवसर बड़े और इकॉनमी मजबूत हो।

Covid-19 एक समस्या के साथ-साथ एक बड़ा अवसर भी है क्योंकि आज पूरी दुनिया चीन से नाखुश है इस समय का फायदा उठाकर हम वर्ल्ड market में हमारी पकड़ बना सकते है।लेकिन हमें भी चीन की तरह संसाधनों का सही उपयोग,उचित योजना के अनुसार करना होगा, क्योंकि भारत का consumer market बहुत बड़ा है लेकिन हमारा उत्पादन बहुत कम है सबसे पहले तो हमें हमारी मांग को पूरा करना है ताकि हमे आयात पर निर्भर न रहना पड़े । घर का पैसा घर मे रहे। Patanjali Brand ने कई लाख करोड़ रुपए विदेशो में जाने से बचाकर तथा लाखो लोगो को जॉब देकर यह सिद्ध किया है की **जंहा चाह है,वंहा राह** ।

हमें ग्रामीण स्तर पर छोटी-छोटी ओधोगिक इकाइयां शुरू करना होगा, ताकि गांव के मजदूर शहर में पलायन ना करें और खाली समय का सदुपयोग कर सके इसके लिए उन्हें ट्रेनिंग देना होगी।जैसे कि **डेयरी उद्योग, खादी उद्योग, हस्तशिल्प, मोमबत्ती, अगरबत्ती, पापड़, सिलाई, सौंदर्य उत्पाद, औषधि खेती आदिकी।**जब ग्रामीण स्तर पर रोजगार विकसित होंगे तो पलायन रुकेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

आपको हैरानी होगी कि दुनिया का 50% Apple(सेवफल) चीन उत्पादित करता है क्या फलो का उत्पादन करने के लिए भी बहुत एडवांस टेक्नोलॉजी की जरूरत है? सबसे बड़ी समस्या लोगों में willpower की कमी है जो हमे ही जगाना होगी।

हम जानते हैं कि कृषि सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता क्षेत्र हैक्योंकि 48.6% रोजगार कृषि पर आधारित है लेकिन पानी की कमी के कारण, पारंपरिक खेती और एडवांस तकनीकी के ज्ञान की कमी के कारण हमारे किसान की आर्थिक स्थिति कमजोर है, किसान आधे समय काम करते है और आधे समय बिना काम के ही बर्बाद करते है।उन्हें टेक्नो फ्रेंड और स्मार्ट किसान बनानाहोगा।

Copyright @ 2020 Authors

 ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-7 No. 14 July 2020

इस समय पूरी दुनिया को **supply chain** के लिए नए विकल्प की खोज है, जिस को पूर्ति करने की क्षमता भारत में है क्योंकि हमारे पास मैनपॉवर है जिसको ट्रेनिंग देकर उसे skilled worker बनाया जा सकता है।

FDI (foreign direct investment) को लाने के लिए infrastructure को विकसित करना पड़ेगा जिससे जॉब create हो और investment बढ़े।

लोगों में **"Be local but think global"** के concept को विकसित करना पड़ेगा क्योंकि आज दुनिया **global village** बन चुकी है।आज हमे केवल हमारी ही जरूरते पूरा नहीं करना है बल्कि पूरी दुनिया के लिए मार्केट खुला है और **वसुदेव कुटुंबकम** की भावना के अंतर्गत पूरी दुनिया के किए कार्य करना है ।

हम **IT (Information technology)** मे नंबर वन है फिर भी हम दूसरों के software,app और टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हैं।आज तक हम Zoom app,FB, Instagram,TikTok आदि का विकल्प नहीं बना पाए क्योंकि हमारे इंटेलिजेंट और टैलेंटेड युवाओं को विदेशी कंपनियां अच्छी सैलरी और फैसिलिटी देकर उनको हायर कर लेतीहैं और हमारा टैलेंट दूसरे देश उपयोग करते हैं। हम जानते है की अवसर होते नही बल्कि उनका निर्माण करना पड़ता है जैसा कि धीरूभाई अम्बानी और बाबारामदेव जी ने किया है।

अफसरशाही, लाइसेंसराज, नीतियों का सही तरह से क्रियान्वित ना हो पाना, भ्रष्टाचारी,सब्सिडी,टैक्ससिस्टमआदि भी नए उद्यमियों और नवाचारी लोगों को बाधित करती है।इनचुनोतियोंकासमाधानजरूरीहैं।

GOVT. को industrial network cluster/इंडस्ट्रियल पार्क अर्थात एकतरह के सामान का एक पूरा मार्केट विकसित करना चाहिए जैसे कि बेंगलुरू इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी के लिए, पीथमपुर इंडस्ट्री के लिए और कोटा एजुकेशन के लिए।गुजरात की Dholera सिटी जो कि दुनिया की दस बेस्ट में से एक सिटी बन रही है जिससे 10 लाख जॉब create होंगे और यह बंजर भूमि पर निर्मित हो रही है जो दिल्ली और संघाई से 6 गुना बड़ी है।इसी तरह हमे कई smart और high-tech cities बनाना होंगी॰

 Copyright @ 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-7 No. 14 July 2020

यदि हम चाइना का उत्पादन पर्सेंटेज देखे तो-

वस्तु	उत्पादन
AC	80%
Mobile	70%
Shoes	60%
Solar cell	60%
Steel	50%
Apple(fruit)	50%

1990 में अर्थात 30 साल पहले चाइना की ग्लोबल मार्केट में 3% हिस्सेदारी थी जो आज 25% है। अमेरिका जैसा छोटा सा पूरी देश दुनिया की superpower है क्योकि वह export और बिज़नेस के फैलाव को प्रथमिकता देता है और हम हमारी ही जरूरते पूरी नही कर पा रहे है इसका मतलब है भारत के पास आगे बदने के बहुत सारे अवसर है बस, अब सरकार और भारतीयों को initiative लेनी की जरूरत है।

देश में पर्यटन के लिए नए निर्माण की जरूरत है, क्योंकि हमारे यहां पुरानी इमारतों,प्राकृतिक एवं धार्मिक स्थानों के अलावा पर्यटकों को आकर्षित कर सके, ऐसे मार्केट, बिल्डिंग, सिटी,पार्क और प्रतिमाए आदि बनाने की जरूरत है जैसे कि सिंगापुर और दुबई ने पर्यटको को इंफ्रास्ट्रक्चर और बिल्डिंग से आकर्षित किया हैं

आत्मनिर्भर भारत अभियान सरकार का एक सराहनीय कदम है, जो रोजगार और अर्थव्यवस्था ही नहीं, बल्कि भारत की छवि और क्षमता को भी विश्व स्तर पर प्रदर्शित करेगा। निश्चित तौर पर अब भारतीयों को देश के विकास के प्रति दृढ़- संकल्पित होना चाहिए क्योकि भारतीयों में योग्यता और क्षमता है। आज सबसे ज्यादा युवाओं वाला देश भारत है जहा 24.9% युवा हैं मतलब हर चौथा भारतीय युवा हैं ।और जहां युवा हैं वहां

Copyright @ 2020 Authors

शक्ति है, बस हमें हमारे युवाओं का मार्गदर्शन और उत्साहवर्धन करना है, क्योंकि हमारे युवा बहुत ही क्रिएटिव और इनोवेटिव है।

आत्मनिर्भरभारतएप- 4th जुलाई 2020 को @Goi-meitY और @AIMtoinnovate आत्मनिर्भर भारत एप इनोवेशन चैलेंज को लॉन्च किया है जिसको चीन की 59 ऍप्स को बैन करने के बाद launch किया है।जो भारतीय लोगो के लिए चैलेंज हैं चीन के विकल्प तैयार करने के लिए ताकि हमे चीन पर निर्भर न रहना पड़े ।

MSME –MSME से 11 करोड़ कर्मचारियों को फायदा होगा, इंडस्ट्री के 3.8 करोड़ कर्मचारियों, टेक्सटाइल इंडस्ट्री के 4.5 और 10 करोड़ अन्य मजदूरों को फायदा मिलेगा।

निष्कर्ष-

यह महामारी का समय हमारे लिए चुनौती है, जिसका हमारे युवा एवं देशवासी आत्मनिर्भर भारत अभियान की सहायता से रोजगार सृजन एवं अवसरों का निर्माण करने के लिए उपयोग करेंगे ताकि बेरोजगारी की समस्या हल हो और आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो, क्योंकि हम यह कर सकते हैं(we can do it°)। हम हर परिस्थितियों में आगे बड़ने की क्षमता रखते हैं। लेकिन अब हमें innovation, creation, R &D, management, technology ,right planning और right execution आदि का उपयोग करके, एक आत्मनिर्भर देश बनाना है जो दुनिया से लेने के बजाय देना वाला बने। जो खुद पर निर्भर हो चाहे वह बिजनेस, रक्षा, राजनीति, कृषि, खेल, शिक्षा या तकनीकी का क्षेत्र हो।

हर व्यक्ति 2 तरह से प्रभावित होते हैं आंतरिक परिस्थिति (मनोस्थिति) और बाहरी परिस्थिति। जब तक कोई व्यक्ति आंतरिक परिस्थिति से आत्मनिर्भर नहीं होने का सोचेगा तब तक उसे कोई भी आत्मनिर्भर नहीं बना सकता है। इसलिए सबसे पहले हम भारतीयों को खुद पर निर्भर होना बनना पड़ेगा, क्योंकि हम आत्मनिर्भर हैं मतलब भारत आत्मनिर्भर है। केवल सरकार के भरोसे या दूसरों के भरोसे रहकर हम अपना जीवन बेहतर नहीं बना सकते हैं। लोगों को सेल्फ कॉन्फिडेंस विकसित करना होगा ताकि वह अन्य लोगों के लिए उदाहरण बन

Copyright @ 2020 Authors

सके। हर कार्य करने के लिए बड़ी-बड़ी टेक्नोलॉजी और मैनेजमेंट के ज्ञान की जरूरत नहीं होती है लेकिन छोटे से छोटे कार्य को निपुणता एवं विशेषज्ञता से करने की सख्त जरूरत है तभी हम **Make in India** को ब्रांड के रूप में वर्ल्ड लेवल पर विकसित कर सकते हैं। तभी हम **Vocal for local** के नारे को सही साबित कर सकते हैं, तभी हम **Brain Drain** की समस्या से निजात पा सकते हैं तभी हम **FDI** और **SEZ (Specific economic zone)** के द्वारा रोजगार के अवसर बढ़ा सकते हैं। सरकार के साथ-साथ जनता को भी आत्मनिर्भर बनना पड़ेगा। हम नागरिकों का भी कर्तव्य है कि हम देश कोआर्थिक रूप से विकसित करे।

अंत, मै आशा करता हु की आत्मनिर्भर भारत अभियान से बेरोजगारी तो कम होगी ही लेकिन यदि यह सही तरह से क्रियान्वित होता है तो यह केवल देश की इकोनॉमी को fastest growth ही नही बल्कि भारत को सुपरपावर बनाने में मिल का पत्थर भी साबित होगा।

संदर्भसूची-

1 pmmodiyojna. in

2 zeenewschannel,12 June 2020

3 DainikBhaskarNewsPaper 12July 2020

मौलिकता का प्रमाण -पत्र

मैं यह प्रमाणित करता हु की यह मेरा मौलिक और अप्रकाशित शोध पत्र है जिसके निर्माण में मैंने उपरलिखित स्त्रोतों का सहयोग लिया है।

RAKESH KUMAR SOLANKI
GOVT. JNSPGCOLLEGE, SHUJALPUR(MP)
9926880909
rakeshkumarsolanki61@gmai. com

जय हिंद जय भारत

Copyright @ 2020 Authors